।। ओ३म् ।।

* *यज्ञो वै विष्णु**

यज्ञ ही विष्णु (व्यापक) है

होती है पूर्ण कामना महान यज्ञ से। जल्दी प्रसन्न होते है भगवान यज्ञ से।।

.....

देशी धी	मखाने
हवन साम्रगी	खीलें (फीकी फुल्ली)
रोली	हल्दी (पिसी हुई)
मौली (कलावा)	शहद
कपूर	दही
रूई	खुले फूल
अगरबत्ती	फूलमालाएं
माचिस	आम या अशोक के पत्ते
समिधा (आम की लकडी)	प्रसाद (शुद्व धी का)
नारियल	मिठाई (खोआ या शुद्व घी की)
गोला	तौलिया (नया)
शक्कर	चुन्नी (गुलाबी)
चावल	फल पाँच प्रकार के (स्वेच्छा पूर्वक)
जौ	बर्तन :- घर से
उड़द	थाली बडी
तिल काले	प्लेटें
गेहुँ	कटोरी
गुग्गल	चम्मच
गिलोय	लोटा
चन्दन चूरा	कटोरा बडा
	गिलास

.....

पं. सुरेश शास्त्री 'धर्माचार्य'

आर्य समाज, सैक्टर 28-31, फरीदाबाद।

यज्ञ, नामकरण, मुण्डन, जन्मदिन, गृह प्रवेश, विवाह, भजन, कथा एवं प्रवचन।

सम्पर्क सूत्रः- 9818129595, 9718129595